CBSE Class 06 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-13 मैं सबसे छोटी होउ

1. कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है?
उत्तर:- घर के सबसे छोटे सदस्य को घर के सभी लोगों का सबसे अधिक प्यार और दुलार मिलता है और खासकर माँ के साथ तो उसका जुड़ाव कुछ ज़्यादा ही होता है इसलिए कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना की गई है।

2. कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' क्यों कहा गया है?
उत्तर:- अपने माँ के स्नेह को हमेशा पाने के लिए, हमेशा उसकी ममता के आँचल के साए में रहने के लिए कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' कहा गया है क्योंकि बड़ा होने पर माँ बच्चे को खिला-पिलाकर खिलौने देकर बहला देती है और उसे परियों की कहानी भी नहीं सुनाती ।

3 . कविता में किसके आँचल की छाया में छिपे रहने की बात कही गई है और क्यों?

उत्तर:- कविता में माँ के आँचल की छाया में छिपे रहने की बात कही गई है।
माँ अपने बच्चों से सबसे अधिक प्यार करती है और उसके इस प्यार के आँचल में बच्चा हमेशा अपने को निर्भय और सुरक्षित समझता है।

4. आशय स्पष्ट करो -
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात!
उत्तर:- कविता के अंतर्गत इन पंक्तियों का आशय यह है कि बच्ची अपनी माँ से कहती है कि माँ! बड़ा होने पर तुम हमें नहला-धुलाकर , खिलौने देकर, अपने आप खेलने के लिए छोड़ देती हो अर्थात जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं ;वैसे-वैसे माँ का साथ छूटता जाता है। वह निरंतर हमारे साथ नहीं रह पाती है।

5. कविता से पता करके लिखो कि माँ बच्चों के लिए क्या-क्या काम करती है? तुम स्वयं सोचकर यह भी लिखो कि बच्चों को माँ के लिए क्या-क्या करना चाहिए?
उत्तर:- प्रस्तुत कविता में माँ अपने बच्चे को गोदी में सुलाती है, सदा अपने आँचल के साए में रखती है, खाना, नहाना-धुलाना, सजाना-सँवारना और परियों की कहानियाँ सुनाना आदि कार्य अपने बच्चे के लिए करती है।
हम बच्चों को भी चाहिए कि हम अपनी माँ की हर बात को ध्यानपूर्वक सुनें और उस पर अमल भी करें। छोटी-छोटी बातों से उसे परेशान न करें। हम ऐसा कोई कार्य न करे जिससे उसे किसी भी प्रकार का कोई दु:ख पहुँचे।

6. बच्चों को प्राय: सभी क्षेत्रों में बड़ा होने के लिए कहा जाता है। इस कविता में बालिका सबसे छोटी बनी रहना क्यों चाहती है?
उत्तर:- इस कविता में बालिका सबसे छोटी ही बनी रहना चाहती हैं क्योंकि वह अपनी माँ के स्नेह को खोना नहीं चाहती है। वह सदैव अपनी माँ के आँचल तले रहकर निर्भय और सुरक्षित रहना चाहती है।

7. इस कविता के अंत में कवि माँ से चंद्रोदय दिखा देने की बात क्यों कर रहा है? अनुमान लगाओ और अपने शिक्षक को सुनाओ।
उत्तर:- नन्हें बच्चे नादान और अबोध होते हैं। उनके लिए उनकी माँ सब-कुछ होती है। उन्हें लगता है कि उनकी माँ संसार के सारे कार्य कर सकती है इसलिए उन्हें आसमान के सूर्य, चाँद और सितारे माँगने में जरा भी हिचकिचाहट नहीं होती है। बच्चे चाँद को प्यार से 'चंदा मामा ' भी कहते हैं, जिसके सीधा संबंध माँ से है। चाँद दिखाने के बहाने उन्हें माँ का स्पर्श और स्नेह भी मिल जाता है।

• >भाषा की बात

8. 'पकड़-पकड़कर' की तरह नीचे लिखे शब्दों को पूरा करो और उनसे वाक्य भी बनाओ -
छोड़, बना, फिर, खिला, पोंछ, थमा, सुना, कह, दिखा, छिपा।
उत्तर:-

छोड़	छोड़कर	मोबाइल पर खेलना छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान दो।
बना	बनाकर	खाना बनाकर चले जाना ।
फिर	फिरकर	घूम-फिरकर तुम्हारी बातें मुझ पर ही आकर ठहरती है।
खिला	खिलाकर	माँ बच्चे को खाना खिलाकर कुछ और काम करने लगी।
पोंछ	पोंछकर	मैंने पसीना पोंछकर रुमाल ज़ेब में रख दिया।
थमा	थमाकर	पोस्टमैन लिफाफा थमाकर चलता बना।
सुना	सुनाकर	कक्षा में शिक्षिका ज़रूरी सूचना सुनाकर चली गई।
कह	कहकर	तुम मुझसे कहकर तो देखते।
दिखा	दिखाकर	राहुल अपना परिणाम-पत्रक दिखाकर रोने लगा।

9. इन शब्दों के समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखो -
हाथ, सदा, मुख, माता, स्नेह।
उत्तर:- हाथ - कर, हस्त
सदा - हमेशा, निरंतर

मुख - मुँह, आनन
माता - माँ, जननी
स्नेह - प्रेम, प्यार

10. कविता में 'दिन-रात' शब्द आया है। तुम भी ऐसे पाँच शब्द सोचकर लिखो जिनमें किसी शब्द का विलोम शब्द भी शामिल हो और उनके वाक्य बनाओ।

उत्तर:- सुबह-शाम -माँ सुबह-शाम परिवार के विषय में ही सोचती रहती है।
मित्र-शत्रु - आज के युग में मित्र-शत्रु की पहचान मुश्किल है।
उल्टा-सीधा - तुम्हें इस तरह की उल्टी-सीधी हरकत शोभा नहीं देती है।
अच्छा-बुरा - संसार में अच्छे-बुरे की पहचान अनिवार्य है।
सुख-दुःख - सुख-दुःख जीवन की सच्चाई है।

11. 'निर्भय' शब्दो में 'नि' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाया गया है। तुम भी 'नि' उपसर्ग से पाँच शब्द बनाओ।

उत्तर:- निडर, निरोग, निकम्मा, निबंध , नियुक्त ।

12. कविता की किन्हीं चार पंक्तियों को गद्य में लिखो।

उत्तर:- ऐसी बड़ी न होऊँ मैं
तेरा स्नेह न खोऊँ मैं,
तेरे अंचल की छाया में
छिपी रहूँ निस्पृह, निर्भय।
मैं इस प्रकार बड़ी नहीं होना चाहती जिससे तुम्हारा स्नेह छूट जाए। मैं तुम्हारी आँचल की छाया में निर्भय होकर रहना चाहती हूँ।